सड़क हादसे में नायब तहसीलदार सहित 3 राजस्वकर्मियों की मौत

एनएच 11 पर शिवसिंहपुरा के पास डंपर ने राजस्वकर्मियों की कार को टक्कर मार दी

दौसा, (निसं)। लालसोट क्षेत्र में एनएच 11ए के शिवसिंहपुरा गांव के पास डंपर व कार की भिडंत में तीन राजस्वकर्मियों की मौत हो गई। वहीं तीन अन्य घायल हो गए। लालसोट थाना प्रभारी महावीर सिंह ने बताया कि वैगनआर कार में सवार छह राजस्वकर्मी जयपुर जा रहे थे। इस दौरान एक खाली डंपर लालसोट की तरफ आ रहा था। तभी एनएच 11 पर शिवसिंहपुरा गांव के पास डंपर ने राजस्वकर्मियों की कार को सामने से टक्कर मार दी।

हादसे में निर्झरना नायब तहसीलदार गिर्राज शर्मा (55) पुत्र रामकरण निवासी व्यासों का नोहराए गिरदावर दिनेश शर्मा (40) पुत्र चतुर्भुज शर्मा निवासी गायत्री नगर दौसा और पटवारी दिनेश शर्मा (42) पुत्र सत्यनारायण निवासी सुंदरपुर मंडावरी की मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राजस्वकर्मियों की कार बुरी तरह से चकनाचूर हो गई। जिससे कार में फंसे राजस्वकर्मियों को डिग्गी खोलकर लोगों ने कडी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। पुलिस ने तीनों शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल पटवारी प्रदीप पुत्र दामोदर निवासी दौसाए गिरदावर मिथलेश पुत्र रामविलास मीनाए पटवारी अभिषेक पुत्र अश्वनी निवासी डीडवाना लालसोट को जिला अस्पताल लालसोट में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर तीनों को जयपुर रेफर कर दिया। हादसे के बाद डंपर चालक डंपर को छोडकर वहां से फरार हो गया। पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि सभी राजस्वकर्मी राजपुरा गांव में जमीन की पैमाइश करने और रास्ता निकलवाने के लिए जा रहे थे। तीन राजस्वकर्मियों की मौत से सरकारी महकमे में शोक की लहर दौड गई। एसडीएमए डीएसपी व अन्य अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे। लालसोट विधायक रामविलास मीणा भी जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिजनों को ढ ाढ स बंधाया। विधायक मीणा ने जयपुर फ ोन कर गंभीर रूप से घायलों का बेहतर इलाज करने का निर्देश दिया। बता दें कि लालसोट उपखंड क्षेत्र में बजरी का अवैध खनन धडल्ले से हो रहा है। आए दिन डंपरों से हादसे हो रहे हैं। लेकिन मिलीभगत के कारण इन पर लगाम नहीं लग रही है।

शिवसिंहपुरा गांव के पास डंपर व कार की भिड़ंत के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

मालपुरा में हुई मूसलाधार बरसात से बिगड़े हालात

दो महिलाएं सहोदरा नदी के बहाव में बह गई

मालपुरा में हुई मूसलाधार बरसात से बाढ़ के हालात।

- 28 साल बाद टोरडी सागर बांध हुआ ऑवरफ्लो, जिला कलेक्टर ने लिया हालातों का जायजा
- बांध से प्रभावित एक दर्जन गांवों को प्रशासन ने खाली करने की कराई मुनादी, 100 से अधिक गांव-ढाणियों का कटा सम्पर्क, आधा दर्जन से अधिक टूटे तालाब, लाम्बाहरिसिंह बांध मे भी 16 साल बाद चली चादर

मालपुरा, (निसं)। रविवार की मध्य रात्रि के बाद से शुरू हुई मूसलाधार बारिश सोमवार की दोपहर बाद तक भी जारी रहने से मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के दर्जनों गांव-ढाणियां जलमग्न हो गई तो 100 से अधिक गांव-ढाणियों का एक-दूजे से सम्पर्क कट जाने से हालात बेकाबु हो गये।

मालपुरा केकड़ी सड़क मार्ग पर सहोदरा नदी में भारी उफान आ जाने के बाद प्रशासन की चेतावनी को नजर अंदाज कर तेज बहाव मे उतरने से बागडी व संग्रामपुरा निवासी दो महिलाऐं नदी के बहाव मे बह गई। एसडीआरएफ की टीम ने शुरू किया रैस्क्यू। टोरडी सागर बांध मे हुई पानी की भारी आवक से 28 साल बाद टोरडी सागर बांध ऑवरफ्लो होकर दो फीट से अधिक चादर चल गई। वही लाम्बा हरि सिंह का रामसागर बांध भी ऑवरफ्लो हो जाने से 16 साल बाद बांध पर चादर चली। मूसलाधार बारिश का कहर दस घंटों से अधिक जारी रहने से समुचा उपखण्ड क्षेत्र जलमग्न हो गया। चारों और पानी ही पानी व ग्रामीणों की सुरक्षा की गुहार की आवाजे सुनाई दी। जिला कलेक्टर ने मालपुरा क्षेत्र मे बिगडे हालातों एवं सभी नदी नालों के साथ-साथ सहोदरा नदी के भारी उफान से दो दर्जन से अधिक गांवो के प्रभावित होने व गांवो मे बाढ के हालातो को गंभीरता से लेते हुये टोरडी पहुंच बांध का जायजा लिया। बांध की मोरी 30 फिट की भराव क्षमता पूर्ण होने के साथ ही रेड अलर्ट के कलेक्टर ने आदेश जारी कर दिये। बांध का जायजा लेने व सीआर भंवर मुवाल सहित सिंचाई विभाग के अधिकारियों व राजस्व विभाग के अधिकारियों से मिले फिडबैक के बाद कलेक्टर सौम्या झां ने मामले को गंभीरता से देखते हुये बाढ़ व अतिवृष्टि को भापते हुये तेज बहाव व बांध से प्रभावित रपट्टा व एनिकट वाले क्षेत्रों में शामिल टोरडी, घाटी, कडीला, तिलांजू, देवल्या पट्टी, अलियारी, डूंगरीखुर्द, जरेली, केरवालिया, बालापुरा, शेरगढ , रायपुरिया, नमुकियां, गुंजा, जानकीपुरा, डूंगरीकलां, भावलपुर, गांवों में सार्वजनिक मुनादी करवा अतिआवश्यक सामान व पशुधन को लेकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की ग्रामीणों से अपील की है।

भारी बरसात से टूटे तालाब,एनिकट इत्यादि से निकलने वाले भारी पानी से दूदू-छाण स्टेट हाईवे के मालपुरा टोडारायसिंह, टोरडी से शेरगढ रायपुरिया, नानेर से हमीरपुर, चांदसेन बांध क्षैत्र के भीपुर, चबराना, कुटका व ढ ोला का खेडा के ग्रामीणों को रात मे सजग रहने की मुनादी करवाई गई है। सहोदरा नदी के उफान से लाम्याजुनारदार गांव टापू मे तब्दील हो जाने के बाद एक मकान मे वृद्ध महिला फुला देवी के साथ फंसे उसके तीन बेटे कैलाश,शंकर व राम को केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के निर्देशो पर पहुंची एसडीआरएफ टीम ने तकरीबन चार घंटे का रैस्क्यू कर मौजूद ग्राम पंचायत सरपंच सत्यनारायण व थाना पुलिस सहित ग्रामीणो के सहयोग से सुरक्षित निकाला। ढीबरू गांव का तालाब टूटने पर गांव जलमग्न हो गया। कलमंडा का सरकारी स्कुल भवन टापू मे तब्दील हो गया। नयागांव जाटान मे कई मकान धराशाही हो गये। तो मालपुरा शहर के पुरानी तहसील मे भी कच्चे मकान धराशाही हो गये। नदी के उफान के बाद मालपुरा केकडी सडक मार्ग को पुलिस प्रशासन ने आवागमन बंद करवा दिया। शहर मे बरसाती नालो पर हुये अतिक्रमण व पालिका प्रशासन द्वारा नालो मे ही पट्टे जारी करने के चलते महावीर मार्ग सहित नीचे के आवासीय कॉलोनियां जलमग्न हो गई। लाखो रूपयो के का शहरवासियो को आर्थिक नुकसान हुआ। क्षैत्र मे बाढ के हालातो ने स्थानीय प्रशासन की बाढ राहत तैयारियों की पोल खोलकर रख दी। ना तो स्थानीय प्रशासन के पास पानी निकासी के लिये जेसीबी और ना ही रिसाव रोकने के लिये मिट्टी के कट्टे,गौताखोर एवं बाढ राहत मित्रो सहित किसी भी प्रकार के सुरक्षा संसाधनो की अनउपलब्धत्ता के चलते चारो और हां हांकार मची हुई है। कलेक्टर के साथ कार्यावाहक एसडीएम कपिल शर्मा, एएसपी रामकुमार कस्वा, तहसीलदार राहुल पारीक, डीएसपी महेन्द्र मीणा, सिंचाई विभाग के एक्सईएन आदि मौजूद रहै।

अजमेर शहर की सड़क बनी दरिया, कई बस्तियों व अस्पताल में भरा पानी

अजमेर, (कासं)। प्रदेश में सक्रिय हुए मानसून के चलते दो दिनों से अजमेर शहर सहित जिले भर में हुई तेज बरसात शहरवासियों के लिए बैरन बन गई। अजमेर की प्रमुख बांडी नदी सहित नाले उफान पर रहे, जिसके चलते शहर की सडकें दरिया बन गई, तो वहीं प्रमुख मार्गों, कॉलोनियों सहित निचली बस्तियों के घरों सहित जेएलएन अस्पताल के वार्डों में पानी भर गया। सूफी संत ख्वाजा साहब की दरगाह स्थित झालरे की दीवार ढह गई। तेज बारिश का दौर के चलते लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सिविल लाइंस, जेएलएन मार्ग सहित कई निचले इलाकों में जलभराव हो चुका है। मौसम विभाग द्वारा जारी भारी बारिश की चेतावनी के चलते जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने स्कूलों में दो दिन के अवकश की घोषणा कर दी।

अजमेर में बीती दो दिनों से हो रही तेज बरसात के चलते शहर की निचली बस्तियों में पानी भर गया है। वैशाली नगर स्थित पुष्कर रोड पर मित्तल अस्पताल से रीजनल कॉलेज मार्ग सहित आनासागर सर्कुलर रोड के दोनों तरफ पानी भरा हुआ है। निचली बस्तियों जोसगंज, सुनहरी कॉलोनी, धोलाभाटा रोड, गुलाबबाड़ी, शक्ति नगर आम का तालाब, अलवर गेट, गुर्जर बस्ती, अजय नगर आदि क्षेत्रों में पानी भर गया है। मुख्य मार्गो पर अधिक पानी जमा होने से दुपहिया, चौपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वार्ड नंबर 44 भजनगंज में सडकों पर पानी घुटनों तक आ गया है। क्षेत्र में रहने वाले लोगों ने बताया कि नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से पानी अवरुद्ध हो रहा है जिसकी वजह से बरसात का पानी सडकों पर जमा के हालात हो गए।

स्कूली बच्चे हुए परेशान :- सोमवार सुबह हुई तेज बरसात के चलते जिला कलेक्टर डॉ.भारती दीक्षित द्वारा देर से अवकाश की घोषणा करने के चलते निजी एवं सरकारी स्कूलों में आने बच्चों को बरसात में भीगते हुए स्कूल पहुंचना पड़ा, लेकिन कुछ देर बाद ही स्कूल प्रबंधन ने अवकाश की बात कहते हुए बच्चों को घर लौटने को कहा, ऐसे में परिजन को बच्चों को घर लाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में ड्रेनेज सिस्टम सही नहीं होने के बीती रात से हो रही तेज बरसात से जेएलएन अस्पताल के मेडिकल जूरिस्ट विभाग, अस्थि रोग विभाग सहित दंत रोग विभाग व अन्य वार्डों में पानी भर गया। पानी भरने से कामकाज भी प्रभावित हुआ। अस्पताल अधीक्षक डॉ.अरविंद खरे ने बताया कि अस्थि रोग विभाग में भरे पानी को मोटर लगाकर बाहर निकाला जा रहा है।

अजमेर के वार्ड संख्या 37 के माखुपुरा क्षेत्र स्थित पटेल नगर कॉलोनी वासियों के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग के ठेकेदार द्वारा बनाई सड़क 5 साल से बरसात में आफत बनी हुई है। पानी की निकासी नहीं होने के कारण बरसात का पानी कॉलोनी में सडक़ के साथ घरों में भर जाता है। पानी भराव की समस्या को लेकर वार्ड 37 के पार्षद सोहन सिंह रावत ने भाजपा विधायक अनिता भदेल को भी जानकारी देते हुए समस्या के समाधान की मांग की है।

बरसात के चलते शहर के मुख्य मार्ग मार्टिन्डल ब्रिज के पास सड़क पर पानी जमा होने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

22 घंटे बाद मिला युवक का शव

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के भारजा बनास नदी तट पर पिकनिक मनाने आए युवक शादाब खान का शव 22 घंटे के बाद एनीकट से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर श्मशान घाट के पास मिला जिसे टीम ने निकालकर मलारना डूंगर चिकित्सालय में पहुंचाया । जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया ।

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को लालसोट से एक परिवार पिकनिक मनाने आया था। इसी दौरान दो युवक बनास नदी में नहाने चले गए वहां गहरे पानी में जाने के कारण दोनों डूब गए। ग्रामीणों ने एक युवक फरहान खान को बनास नदी से सकुशल बाहर निकाल लिया लेकिन उसका दूसरा साथी शादाब खान नहीं मिला जिसकी सूचना ग्रामीणों ने मलारना डूंगर प्रशासन को दी। सूचना पाकर मलारना डूंगर एसडीएम बद्रीनारायण विश्नोई, तहसीलदार सीमा घुणावत मय पुलिस बल एवं सवाई माधोपुर से सिविल डिफेंस व एसडीआरएफ की टीम के साथ मौके पर पहुंचे एवं रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन नदी में तेज बहाव व रात्रि हो जाने के कारण रविवार को ऑपरेशन रोकना पड़ा।

जोधपुर शहर में दो हादसों में चार मजदूरों की मौत

फैक्ट्री की दीवार गिरी, तीन मजदूरों की मौत, बिजली गिरने के सदमें में गई एक फैक्ट्री श्रमिक की जान

जोधपुर, (कासं)। सोमवार की तड़के शहर के बोरानाडा और झालामंड क्षेत्र में हुए हादसों में 4 लोगों की मौत हो गई। प्रशासन भी तत्काल रेस्क्यू में जुट गया। बोरानाडा क्षेत्र में तड़के एक फैक्ट्री की दीवार भरभरा कर गिर गई जिससे तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई और सात आठ मजदूर लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना पर संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर सहित प्रशासनिक अमला पहुंचा है। वहीं झालामंड क्षेत्र में हरीओम नगर में एक फैक्ट्री श्रमिक युवक की बिजली गिरने के समय सदमें से जान चली गई। संभवत : उसे दिल का दौरा पड़ गया। वहीं लूणी क्षेत्र में दीवार ढहने से बीस तीस बकरियों-भेड़ों के मरने के भी समाचार मिले है।

लगातार बारिश के चलते रहने से शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया है तो कई नाले उफान पर आकर बहने लगे है। जिससे पानी लोगों के घरों में भी घुस गया है। सोमवार शाम तक शहर में बारिश का दौर बना हुआ था। दक्षिण पश्चिमी मानसून एक तरफ राहत प्रदान करने वाला है तो दूसरी तरफ आहत कर रहा है। जोधपुर संभाग में छुटपुट बारिश का दौर बना हुआ है। पिछले तीन दिनों से शहर में लगातार बारिश का दौर रूक-रूक कर जारी है। इधर जिला कलेक्टर ने भारी बारिश को देखते हुए दो दिन का विद्यालयों में अवकाश घोषित किया है। बोरानाडा थानाधिकारी शकील अहमद ने बताया कि बोरानाडा थाना क्षेत्र में सालावास रोड पर न्यू महालक्ष्मी टिंबर फैक्ट्री आई है। इसके पीछे मोतीलाल नाम के शख्स की लकड़ी बुरादा की फैक्ट्री है। दोनों की दीवार एक दूसरे से चिपते बनी हुई है। सोमवार की तडक़े साढ़े तीन बजे पुलिस को सूचना मिली कि दीवार गिर गई है। हादसे में तीन मजदूरों जिनमें नंदू, सुनीता और मंजू की मौत हो गई। वहीं इसमें पांचूराम, संजय, मांगी, पवन, शांति, दिनेश और हरिराम सहित दो तीन अन्य मजदूर मलबे में दबने से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लूणी थानाधिकारी गश्त पर थे, पहले पहुंचे :- इधर घटना की जानकारी मिलते ही लूणी थानाधिकारी हुकमसिंह जोकि गश्त पर थे सबसे पहले पहुंचे। उन्होंने कर्तव्य परायणता का परिचय देते हुए मलबे में दबे लोगों को अन्य मजदूरों के सहयोग से बाहर निकाला। बाद में बोरानाडा थानाधिकारी शकील अहमद सहित अन्य पुलिस अधिकारी वहां पहुंचे।

संभागीय आयुक्त कलेक्टर पहुंचे एम्स अस्पताल :- हादसे में घायल हुए श्रमिकों की कुशलक्षेम पूछने के लिए संभागीय आयुक्त बीएल मेहरा, जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल, एडीएम सुनीता, सीएमएचओ आदि भी एम्स अस्पताल पहुंचे। अस्पताल प्रशासन को तत्काल चिकित्सा सुविधा शुरू करवाई गई। थानाधिकारी शकील अहमद ने बताया कि मरने वाले और घायल हुए श्रमिक कोई स्थानीय नहीं है। सभी लोग कोटा, मध्यप्रदेश सहित बाहरी क्षेत्रों के है। घायलों में कोई मजदूर सीरियस नहीं है, घायलों का उपचार जारी है। मामले में लापरवाह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

इधर कुड़ी थानाधिकारी राजेंद्र चौधरी ने बताया कि झालामंड- गुढ़ा रोड पर हरीओम नगर आया है। यहां फैक्ट्री में काम करने वाला बीकानेर के नोखा का रहने वाला 23 साल का सुंदरलाल विश्रोई पुत्र फू साराम विश्रोई अलसुबह नींद से उठकर बाहर आया था। तब अचानक से आकाशीय बिजली गिरी। वह उससे झुलसा नहीं मगर सदमा लगने से उसकी मौत हो गई। संभवत: उसे दिल का दौरा पड़ गया था। शव को कार्रवाई के लिए एमडीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। लगातार बारिश से विभिन्न इलाकों में पानी भर गया है। तनावाडा के अलावा जोधपुर की बीजेएस नट बस्ती में पानी भर गया है। जिसकी निकासी के लिए प्रयास चल रहे है। अत्यधिक जल भराव की सूचना के बाद नगर निगम की टीम वहां पहुंची। वहां नगर निगम, जेडीए की टीमों के अलावा नागरिक सुरक्षा की टीमें भी लगाई गई है।

रिटायड फौजी से मारपीट कर लूट ले गए 45 हजार

- पोते की बीएड फीस के लिए निकाली बैंक से राशी, नदबई कस्बे में बेयर हाउस कॉलोनी की घटना

नदबई। यहां बेयर हाउस कॉलोनी में दिनदहाडे रिटायड फौजी से मारपीट कर बदमाश करीब 45 हजार की नगदी लूट ले गए । समीपवर्ती लोगों ने रिटायड फौजी का उपजिला चिकित्सालय में उपचार कराया। बाद में पीड़ित की सूचना पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जांच कर बदमाशों का सुराग लगाने का प्रयास किया। लेकिन, पुलिस को सफलता नही मिल सकी।

सूत्रों की मानें तो रौनीजा निवासी हुकुम सिंह पुत्र गोरधन सिंह ने अपने पोते की बीएड फीस जमा कराने के लिए पीएनबी बैंक खाते से 45 हजार रुपए निकाले। पीडित रिटा. फौजी बैग में राशी रखकर अपने घर जा रहा। इसी दौरान बेयर हाउस कॉलोनी के समीप अज्ञात दो बदमाशों ने मैला डालकर बैग छीनने का प्रयास किया। पीडित रिटायड फौजी ने शोर मचाते हुए बदमाशों का विरोध किया। बाद में रिटायड फौजी से मारपीट कर अज्ञात बदमाश नगदी बैग लेकर फरार हो गए। समीपवर्ती लोगों ने पीडित का उपजिला चिकित्सालय में उपचार कराया। बाद में पीड़ित की सूचना पर पुलिस ने जांच पडताल कर बदमाशों का सुराग लगाने का प्रयास किया।

हादसे में आधा दर्जन से अधिक कांवडिये घायल

नदबई। आगरा-जयपुर हाईवे पर डहरामोड़ के समीप रविवार देर रात निजी बस की चपेट से जुगाड़ में सवार आधा दर्जन से अधिक कांवडिया घायल हो गए। डहरामोड चौकी पुलिस ने घायलों का अलग-अलग चिकित्सालय में उपचार कराया। वही, सुरक्षा की दृष्टि से निजी बस व जुगाड़ को कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार भुसावर थाना क्षेत्र निवासी श्रद्वालू सौरोंजी से कांवड़ लेकर गांव आ रहे। इसी दौरान डहरामोड के समीप निजी बस ने कांवडियों के जुगाड़ में टक्कर मार दी। जिसके चलते निवली निवासी बाबूलाल पुत्र रघुनाथ, आलोक पुत्र सूरजमल, मोहन पुत्र हरिओम, बनैसिंह पुत्र मोहन सिंह, भरतलाल पुत्र जगनलाल सहित मैनापुरा निवासी पिंटू पुत्र जुल्लू व विश्वेन्द्र सिंह पुत्र छुट्टनलाल घायल हो गए। सूचना पर डहरामोड़ चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंच दोनों वाहनों को कब्जे में लिया। वही, घायलों का अलग-अलग चिकित्सालय में उपचार कराया। इस संदर्भ में समाचार लिखे जाने तक पुलिस में कोई मामला दर्ज नही हुआ।

कच्ची रोटियां, पानी मिला दूध, सड़े हुए फल खाने को बच्चे मजबूर

भीण्डर के राणा पूंजा राजकीय जनजाति आश्रम छात्रावास भरडिया का मामला

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर के निकट राणा पूंजा राजकीय जनजाति आश्रम छात्रावास में सोमवार को सब्जी में बरसाती कीडा गिरने पर बच्चों ने खाना नहीं खाया और शिकायत लेकर भीण्डर उपखण्ड अधिकारी के पास पहुंचे तो उपखण्ड अधिकारी तुरंत छात्रावास पहुंच करके निरीक्षण किया। जहां बच्चों को प्रतिदिन कच्ची रोटियां, पानी मिला दूध, एक चम्मच पोहे जैसी खाने की वस्तुएं मिलने जैसी समस्याएं उजागर हुई। उपखण्ड अधिकारी ने रसोईघर, शाम का बना भोजन सहित छात्रावास का निरीक्षण किया, वहीं वार्डन को 7 दिन का समय दिया कि व्यवस्थाएं सुधार दे नहीं तो कडी कार्यवाही की जायेगी।

सब्जी में कीडा गिरने के बाद बच्चों ने की शिकायत :- भरडिया छात्रावास में सोमवार दोपहर के खाने में बनी सब्जी में एक बरसाती कीडा निकलने पर बच्चों ने खाना छोड दिया था। इसके बाद 10-15 बच्चें शाम 4.30 बजे भीण्डर पुलिस थाने पहुंच गये, लेकिन यहां से फिर भीण्डर उपखण्ड अधिकारी को अवगत करवाया। जिस पर भीण्डर उपखण्ड अधिकारी रमेश चन्द्र बहेडिया छात्रावास का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। वहां बच्चों ने बताया कि सब्जी में कीडा होने से खाना नहीं खाया, इसके बाद उपखण्ड अधिकारी ने रसोइघर, शाम के बने हुए भोजन का निरीक्षण किया।

भीण्डर के भरडिया छात्रावास में जली हुई कच्ची रोटियां देखते हुए एस.डी.एम. बहेडिया।

- सब्जी में गिरा बरसाती कीडा तो बच्चों ने नहीं खाया खाना, शिकायत पर एस.डी.एम. ने किया निरीक्षण

कच्ची रोटियां देखकर गुस्सा हुए एसडीएम :- शाम के खाने की जब रोटियां एमडीएम रमेश चंद्र बहेडिया ने देखी तो उनको देखकर ही एसडीएम आग बबूला हो गये, कि सरकार आपको बच्चों को ऐसा खाना खिलाने के लिए जिम्मेदारी नहीं दे रखी है। निरीक्षण के दौरान कई रोटियां जली हुई तो आधी से ज्यादा रोटियां कच्ची थी। इसके अलावा बच्चों से प्रतिदिन मिलने वाले खाने के बारे में जानकारी ली तो बच्चों ने बताया कि जो बनता हैं वो खा लेते है। इस पर उपखण्ड अधिकारी ने सप्ताह के खाने का चार्ट कहां तो वार्डन ऑफिस से चार्ट लेकर पहुंचा। इस पर चार्ट बाहर लगाने के निर्देश दिये। इस दौरान दूध के बारे में पुछा तो बच्चों ने बताया दूध से ज्यादा पानी होता हैं और सुबह रोजाना नाश्ते में पोहे मिलते हैं वो भी केवल एक चम्मच। वहीं फल में मिलने वाले केले भी सडे हुए होते है।

सात दिन में व्यवस्था सुधारने के दिये निर्देश :- भीण्डर उपखण्ड अधिकारी रमेश चंद्र बहेडिया ने वार्डन सोहन लाल मीणा को 7 दिन में व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिये और 7 दिन बाद पुन: निरीक्षण करने की बात भी कहीं। इस दौरान बच्चों द्वारा बताई समस्याएं हल नहीं हुई तो कडी कार्यवाही की चेतावनी भी दी। वहीं भोजन बनाने वालों को अच्छा भोजन बनाने और उसको सुरक्षित बच्चों तक परोसने के निर्देश दिये।

लूट के आरोपी को जेल भेजा

नदबई। नगर रोड बाईपास चौराहे पर कट्टा दिखाकर नगदी सहित बाइक व मोबाइल लूट के मामलें में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार कटारा निवासी भानूप्रताप सिंह उर्फ भानू पुत्र वीरेन्द्र सिंह को मुखबिर की सूचना पर डहरा रोड स्थित बस स्टेण्ड से हिरासत में लिया। बाद में जांच पड़ताल कर आरोपी को गिरफ्तार किया। गौरतलब है कि, गिरफ्तार आरोपी ने 29 जुलाई की रात अपने साथियों के साथ मिलकर बाईपास चौराहे के समीप रौनीजा निवासी निशांत सिंह का अवैध हथियार दिखाते हुए रास्ता रोक लिया। बाद में 3500 नगदी सहित, बाइक, मोबाइल व दस्तावेज लूटकर फरार हो गया। मामला दर्ज होने पर पुलिस ने जांच पडताल कर आरोपी को वापर्दा गिरफ्तार किया। बाद में आरोपी को जेल भेज दिया गया।

- नदबई-नगर रोड पर बाईपास चौराहा समीप नगदी, बाइक व मोबाइल लूट का मामला